No. of Printed Pages : 2

ई.एस.-345

06354

शिक्षा में स्नातक उपाधि कार्यक्रम

सत्रांत परीक्षा

जून, 2011

ई.एस.-345 : हिन्दी शिक्षण प्रविधि

समय : 3 घण्टे *अधिकतम भारिता : 70%*

नोट : *(i)* ***सभी*** *प्रश्न अनिवार्य हैं।*

(ii) सभी प्रश्नों की ***भारिता*** *समान है।*

1. नीचे दिए गए प्रश्न का उत्तर लगभग ***600*** शब्दों में दीजिए।
मौखिक अभिव्यक्ति शिक्षण के मुख्य उद्देश्य की चर्चा करते हुए बताइए कि शिक्षार्थियों की मौखिक अभिव्यक्ति को किस प्रकार से विकसित तथा संवर्धित किया जा सकता है? उदाहरणों द्वारा अपने उत्तर की पुष्टि कीजिए।

अथवा

लेखन के महत्त्व एवं प्रक्रिया पर प्रकाश डालते हुए लिखित रचना के प्रकार एवं उन के शिक्षण विधि को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

2. नीचे दिए गए प्रश्न का उत्तर लगभग ***600*** शब्दों में दीजिए।
क्रियात्मक शोध के अर्थ तथा महत्व की चर्चा करते हुए क्रियात्मक शोध के सोपानों तथा विभिन्न अभिकल्पों का उदाहरण सहित विवेचन कीजिए।

अथवा

"एक कुशल शिल्पी की भाँति शिक्षक को अपने विषय की सभी सूक्ष्म विशेषताओं का ज्ञान होना चाहिए" प्रस्तुत कथन के संदर्भ में हिन्दी शिक्षक के गुणों पर प्रकाश डालिए।

3. नीचे दिए गए प्रश्नों में से ***किन्हीं पाँच*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग *120* शब्दों में होना चाहिए।

(a) भाषा शिक्षा के सामान्य सिद्धांतों का संक्षिप्त विवेचन कीजिए।

(b) निबन्ध पाठ शिक्षण में मौन पाठ का क्या महत्त्व है?

(c) माध्यमिक स्तर पर अशुद्ध उच्चारण के कारण एवं निवारण के विविध उपाय बताइए।

(d) मातृभाषा शिक्षण के उद्देश्यों का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

(e) लिखित रचना में प्राय: किस प्रकार की अशुद्धियाँ होती हैं? इनके मूल कारण क्या हैं?

(f) कहानी के तत्वों पर प्रकाश डालते हुए कहानी शिक्षण के उद्देश्यों की संक्षेप में चर्चा कीजिए।

(g) समुन्नयन कार्य के महत्त्व का उल्लेख कीजिए।

(h) हिन्दी एकांकी के शिक्षण में किन बिन्दुओं पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है और क्यों?

4. नीचे दिए गए प्रश्न का उत्तर लगभग *600* शब्दों में दीजिए। आपके द्वारा प्रशिक्षण-अभ्यास अवधि में पढ़ाई गई किसी भी कक्षा के लिए हिन्दी व्याकरण के किसी एक प्रकरण की पाठयोजना तैयार कीजिए जो 40 मिनट के कालांश में पढ़ाई जा सके।

———